कीर्तन ध्वनि

ब्रह्मीभूत श्री १०८ स्वामी परमानन्द जी
महाराज द्वारा उपदिष्ट

प्रकाशकः—
श्री भगवद्भक्ति आश्रम, जींद ।

यह कीर्तन ध्वनि श्रीमान कृष्णलाल
ठेकेदार जींद निवासी ने
धर्मार्थ छपवाई ।

संख्या	सम्वत्	कार्तिक
१०००	२०१६	मास

॥ ओ३म् ॥

१

गणपति दुर्गा रवि विष्णु शिव ॥

२

अल्ला अक्का अम्बा देवी ।
परमानन्द लहैं तेरे सेवी ॥

३

वाहि गुरुजी वाहि गुरुजी,
बेअन्त बेपरवाह गुरुजी ।
दीन दयाल कृपाल गुरुजी,
भगतन के रखपाल गुरुजी ॥

३

४

बं बं ब महादेव सदाशिव ।
हर हर हर महादेव सदाशिव ॥

५

गौरी शंकर जयशिव जयशिव ।
जयशिव जयशिव जयशिव जयशिव ॥

६

अलख अपार अनाम अगोचर ।
ज्योति स्वरूप अकाल पुरुष हर ।

७

सत्य नाम सोऽहं दुःख भञ्जन ।
ररंकार ओंकार निरञ्जन ॥

४

८

नारायण चरणी नमो नमो नित ।

९

राधा रमण हरि गोविन्द जय जय ।
गोविन्द जयजय गोपाल जयजय ॥

१०

राधाकृष्ण भज कुञ्ज बिहारी ।
मुरलीधर गोवर्धन धारी ॥

११

शंख चक्र पीताम्बर धारी ।
करुणा सागर कृष्ण मुरारी ॥

१२

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ।
हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे ॥

१३

गौरी शंकर सीताराम ।
राधे श्याम श्यामा श्याम ॥

१४

बोल हरि बोल हरि हरि बोल ।
गोविन्द माधव मुकुन्द बोल ॥

१५

राधे राधे गोविन्द बोलोरे ॥

१६

गोपी प्रिय गोपीनाथ ।
गोपी जन वल्लभ ॥

१७

जय नारायण जय गोविन्द हरे ।
जय नारायण जय गोपाल हरे ॥

१८

जय राधे जय राधे जय राधे जय राधे ॥

१९

श्रीकृष्ण चैतन्य प्रभु नित्यानन्द ।
हरे कृष्ण हरे राम राधे गोविन्द ॥

२०

नारायण हरि ओं ओं ।
ओं ओं ओं ओं ओं ओं ॥

२१

नित्य ही बोलो राधे श्याम ।
हरे कृष्ण हरे राम ॥

२२

रघुपति राघव राजा राम ।
पतित पावन सीताराम ॥

२३

जय रघुनन्दन जय सिया राम ।
जानकी वल्लभ सीताराम ॥

२४

अच्युतं केशवं राम नारायणम् ।
कृष्ण दामोदरं वासुदेवं हरिम् ॥

२५

श्रीधरं माधवं गोपिका वल्लभम् ।
जानकी नायकं रामचन्द्रं भजे ॥

२६

केशव कृष्ण गोविन्द मुकुन्द
घट घट व्यापक आनन्द कन्द ॥

२७

गोविन्द गोविन्द हरे मुरारे ।
हर शिव शंकर भव त्रिपुरारे ॥

मुद्रक-भूमानन्द ब्रह्मचारी, भक्ति प्रेस रेवाड़ी